B.A. Vth Semester: Political Science

Paper I: Principles of Public Administration

1. लोक प्रशासन की प्रकृति का परीक्षण
2. लोक प्रशासन के क्षेत्र विषयक दृष्टिकोणों का अध्ययन
3. आधुनिक राज्य में लोक प्रशासन की भूमिका का मूल्यांकन
4. संगठन के विविध सिद्धान्तों में पद सोपानीय सिद्धान्त की महत्ता
5. सत्ता के प्रत्यायोजन के सिद्धान्त का अवलोकन
6. लोक प्रशासन में 'विकेन्द्रीकृत प्रशासन' की सार्थकता का विश्लेषण
7. लोक प्रशासन में मुख्य कार्य पालिका की भूमिका का मूल्यांकन
8. लोक प्रशासन में 'आदेश की एकता' के सिद्धान्त की प्रासंगिकता का परीक्षण
9. लोक प्रशासन में स्वतंत्र नियामकीय आयोग की भूमिका का विश्लेषण
10. लोक सेवकों की भर्ती के विविध तरीकों (तकनीकों) का अध्ययन
11. लोक सेवकों के प्रशिक्षण के विभिन्न प्रकारों का विवेचनात्मक अध्ययन
12. जनता एवं लोक सेवकों के मध्य सम्बन्धों का मूल्यांकन।

Paper II Ancient Indian Political Thought

1. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन के विविध स्रोतों का अध्ययन।
2. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन की प्रकृति का विश्लेषण।
3. महाभारत के 'शांतिपर्व' में प्रवृत्त 'राजनीतिक चिन्तन' का अध्ययन।
4. शुक्राचार्य के प्रमुख राजनीतिक विचारों का अवलोकन।
5. राज्य की उत्पत्ति के विषय में कौटिल्य के दृष्टिकोण का परीक्षण।
6. कौटिल्य के सप्तांगिक राज्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
7. कौटिल्य के 'पर राष्ट्र सम्बन्ध' विषयक सिद्धान्त के अध्ययन की उपयोगिता का परीक्षण।
8. प्राचीन भारत में कानून के स्रोतों का अवलोकन।
9. स्थानीय प्रशासन की प्राथमिक इकाई 'ग्राम' का प्रशासनिक स्वरूप का परीक्षण।
10. प्राचीन भारत में न्याय प्रशासन का आलोचनात्मक अध्ययन।

Scanned with AnyScanner

B.A. V[th] Semester : Political Science

Paper – III : Concepts of International Politics

1. एक स्वतंत्र विषय के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के विकास का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन क्षेत्र का परीक्षण।
3. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन में 'यथार्थवादी-सिद्धान्त' का योगदान : एक आलोचनात्मक अध्ययन।
4. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक अध्ययन में 'निर्णय निर्माण उपागम' की उपादेयता का परीक्षण।
5. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में 'राष्ट्रीय शक्ति के तत्व विषयक' विचार का अवलोकन।
6. शक्ति संतुलन विषयक अवधारणा का मूल्यांकन।
7. 'सामूहिक सुरक्षा' के विचार की व्यावहारिकता के समक्ष चुनौतियाँ : एक अध्ययन।
8. निःशस्त्रीकरण की संभावनाओं का मूल्यांकन।
9. द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर 'वैश्विक परिदृश्य' का अवलोकन।
10. तीसरी दुनिया के राष्ट्रों के समक्ष चुनौतियाँ : एक विवेचन।
11. विदेशनीति के निर्धारण में 'कूटनीति' की भूमिका का अध्ययन।
12. वर्तमान में गुट निरपेक्ष विचार धारा की प्रासंगिकता का मूल्यांकन।

Jaw[illegible]

Scanned with AnyScanner